MAHD-02

June - Examination 2019

M.A. (Previous) Hindi Examination

Adhunik Kavya

आधुनिक काव्य

Paper - MAHD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) 'कर्णोत्थान' के रचयिता कवि का क्या नाम है?

(ii) 'बुद्ध और नाचघर' नामक काव्य संकलन के बारे में आप क्या जानते हैं?

(iii) अज्ञेय कवि की किन्हीं दो काव्य–कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी ना बासी फूल।' प्रस्तुत पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(v) 'साकेत' महाकाव्य मे वर्णित उर्मिला के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(vi) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कृत किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(vii) 'बीन भी हूँ, मैं तुम्हारी रागिनी भी है' उक्त गीत के रचियता कवि कौन हैं?

(viii) 'सुंदर हैं विहग, सुमन सुंदर, मानव? तुम सबसे सुन्दरतम।' कहने वाले कवि कौन हैं? नाम लिखिए.

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–
स्नेह–निर्झर बह गया है।
रेत ज्यों तन रह गया है।
आम की यह डाल जो सूखी दिखी
कह रही है – अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते. पंक्तिमें, मैं वह हूँ, लिखी.
नहीं जिसका अर्थ
जीवन ढह गया है।

3) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–
पुलकित स्वप्नों की रोमावलि,
कर में हो स्मृतियों की अंजलि,
मलयानिल का चल दुकूल अलि,

घिर छाया सी श्याम, विश्व को आ अभिसार बनी।
सुकचती आ वसंत–रजनी।

4) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

नहीं ठिकाना कालीदास के
व्योम प्रवाही गंगाजल का,
ढूंढा बहुत परन्तु लगा क्या
मेघदूत का पता कहीं पर
कौन बताए वह छायामय
बरस पड़ा होगा न यही पर
जाने दो, वह कवि – कल्पित था
मैंने तो भीषण जाड़ों मे
नभ चुम्बी कैलाश शीर्ष पर
महामेघ को झंझानिल से
गरज–गरज भिड़ते देखा है
बादल को घिरते देखा है।

5) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6) निराला कृत संध्या सुन्दरी कविता पर प्रकाश डालिए।

7) महादेवी के काव्य में स्त्री–स्वत्व, आकांक्षा और प्रणयानुभूति किस प्रकार अभिव्यक्त हुई है? स्पष्ट कीजिए।

8) रघुवीर सहाय की काव्य–संवेदना का वर्णन कीजिए।

9) दुष्यंत कुमार के काव्य के अनुभूति पक्ष का चित्रण कीजिए।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) जयशंकर प्रसाद के काव्यगत सौंदर्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

11) 'बच्चन उद्दाम प्रेम, यौवन एवं मस्ती के कवि हैं।' मिलन यामिनी के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

12) नागार्जुन के काव्य के अनुभूति पक्ष और अभिव्यंजना पक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए.

(i) नरेन्द्र शर्मा के काव्य मे प्रणयानुभूति और प्रकृति सौंदर्य.

(ii) असाध्यवीणा की विषय वस्तु और संवेदना.

(iii) दिनकर काव्य में राष्ट्रीयता.

(iv) पंत का प्रकृति चित्रण.